बढ़ते ह्दयरोग की वैश्विक राजधानी ना बन जाये भारत-पाटिल

ह्दरोग विशेषज्ञों ने जतायी चिंता, जीवन पद्यति बदलने की दी सलाह

आबू रोड, 14 सितम्बर, निसं। आज सांसारिक स्थितिया तेजी से बदल रही है। इसका कारण मनुष्य की बदलती जीवनशैली काफी हद तक जिम्मेदार है। ह्दय रोग की वैश्विक राजधानी ना बन जाये भारत। उक्त विचार त्रिपुरा के राज्यपाल पदमश्री डा. डी. वाई पाटिल ने व्यक्त किये। वे ब्रह्माकुमारीज संस्था के शांतिवन में आयोजित ह्दयरोग उपचार एवं उसके रोकथाम विषय पर 7वें विश्व महासम्मेलन में दुनिया भर से आये ह्दयरोग विशेषज्ञों को सम्बोधित कर रहे थे।

आगे उन्होंने कहा कि जैसा अन्न, वैसा मन और वैसा ही तन होता है। आज हमारा आचार-व्यवहार इतना बदल गया है कि इससे जीवन में कई नयी बीमारियों का जन्म हुआ है। अपने दिल में ईश्वर को बिठायईये और ह्दयरो को भगाईये। जीवन के हर पल में एक ऐसा आध्यात्मिक ध्यान और साधना को स्थान दे जिससे ऐसी बीमारियों पर विजय पायी जा सकती है।

इकोकार्डियोलाजिस्ट फादर के नाम से सुप्रसिद्ध तथा अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ कार्डियोलोजिस्ट ऑफ इंडियन ओरिजीन के अन्तर्राष्ट्यी अध्यक्ष डा. नवीन सी नन्दा ने कहा आज हमने कई चुनौतियों का सामना किया है। परन्तु वह भी अब नाकाफी है। मनुष्य को अपने जीवन व रहन-सहन में बदलाव लाने की आवश्यकता है। आज चिकित्सा के क्षेत्र में बहुत से ऐसे शोध हुए है जो मनुष्य के प्रत्येक बीमारियों के इलाज के रूप में उपलब्ध है। परन्तु उसे सही समय पर लेना चाहिए।

उड़ीसा के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डा. दामोदर राउत ने कहा कि आज भारत में भी तेजी से ह्दयरोग अपना पैर पसारता जा रहा है। ऐसे में हमारी जिम्मेदारी बढ़ती जा रही है। क्योंकि पूरी दुनिया के साठ प्रतिशत ह्दय रोगी अकेले भारत में है। ऐसे में हमे अभी से सचेत रहने की आवश्यकता है। ब्रह्माकुमारीज संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि आत्मा स्वस्थ होगी तो शरीर भी स्वस्थ होगा। इसलिए परमात्मा ने हम सभी को स्वस्थ रहने के लिए प्रतिदिन ध्यान के लिए प्रेरित करते है।

विश्वमहासम्मेलन के प्रबन्ध कमेटी के चेयरमैन डा एच. के. चोपड़ा ने कहा कि पिछले एक दशक से जिस तरह ऐसे सम्मेलनों ने विशेषज्ञों ने नये-नये शोध किये है उससे एक चिकित्सा क्षेत्र को एक नयी दिशा मिली है। उसी का एक हिस्सा है कि इस सम्मेलन में देश व दुनिया से बड़ी संख्या में लोग भाग लेने पहुंचे है। ग्लोबल हास्पिटल के मैनेजिंग ट्स्टी बी. के. निर्वेर, महासम्मेलन के महासचिव ह्दय रोग विशेषज्ञ डा सतीश गुप्ता, साइंटिफिक एकेडेमी के चेयरमैन डा एस के पराशन ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किये।

बदले जीवन प्रणाली-महासम्मेलन के दौरान प्रात: काल से आये विशेषज्ञों ने अपने प्रजेन्टेशन के द्वारा ह्दयरोग होने तथा उसके बचाव के तरीकों पर अपने-अपने शोध के आधार पर प्रकाश डाले। वहीं आजीवन स्वस्थ रहने के लिए जीवन पद्यति को बदलने का आह्वान किया।

लोगों ने चेक कराये दिल की हाल- महासम्मेलन में आये विशेषज्ञों ने प्रात: नौ बजे से सायं तीन बजे तक जरूरतमंद लोगों का इको चेकअप किया। यह कार्यक्रम 16 सितम्बर तक चलेगा।

फोटो, 14एबीआरओपी, 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7 कार्यक्रम का उदघाटन करते अतिथि, सम्बोधित करते राज्यपाल, सभा में उपस्थित ह्दयरोग विशेषज्ञ, इकोचेक कैम्प का उदघाटन करते अतिथि